संवाद

शिक्षा किसी भी समाज में निरंतर चलने वाली सामाजिक प्रक्रिया है। देश की शिक्षा व्यवस्था को वर्तमान परिस्थितियों और भविष्य की आवश्कताओं के अनुरूप परिवर्तित और परिवर्धित करने की ज़रूरत समय-समय पर होती है। इसी परिवर्तनवादी और सुधारवादी दृष्टि का मूर्तिमान रूप है, राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020। संपूर्ण भारत के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का आना बहुत ही हर्ष और गौरव का विषय है। 34 वर्षों के एक लंबे इंतज़ार के बाद देश की शिक्षा व्यवस्था को एक नई राह मिली है।

किसी भी उद्देश्य या कार्य को सफलतापूर्वक और प्रभावपूर्ण तरीके से पूर्ण करने के लिए तालमेल के साथ कार्य करने की आवश्कता होती है। इस नई राह पर चलकर उन्नति की ओर एक साथ बढ़ने के लिए सभी को कर्मठ और आशावान होना चाहिए। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के सफल क्रियान्वयन के लिए सभी को मिल कर काम करना होगा। ऐसा करने से ही भारत विश्व के अग्रणी देशों के समान तरक्की कर पाएगा। अध्यापक नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति को लेकर काफ़ी सजग और उत्साहित हैं। शोधकर्ता भी अपने शोध के निष्कर्षों को राष्ट्रीय शिक्षा नीति की संस्तुतियों से जोड़ कर देख रहे हैं। यह देश की शिक्षा व्यवस्था की गुणवत्ता सुधार हेतु अच्छा संकेत है।

प्रस्तुत अंक में कुल चौदह लेख शामिल किए गए हैं। इनमें से अधिकतर लेख राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को ही आधार बनाकर लिखे गए हैं। इन लेखों में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का विस्तार से विश्लेषण किया गया है। इसके साथ ही पाठकों को नीति के विभिन्न उद्देश्यों और आयामों से अवगत करवाने की कोशिश की गई है। इसे लागू करने में आने वाली अनेक चुनौतियाँ और उनके संभावित समाधानों की ओर भी लेखकों की दृष्टि गई है। हम सभी का उद्देश्य इसके सफल क्रियान्वयन में सहयोग करना है ताकि विद्यार्थियों को सीखने में आने वाली बाधाओं को मिटाया जा सके। इसके साथ ही उनकी रुचि, ज्ञान, कौशल, अनुभव, विशिष्टता के प्रति विद्यालय से लेकर समुदाय तक सभी को संवेदनशील बनाया जा सके।

पत्रिका में 'विशेष' के अंतर्गत *निष्ठा— स्कूल प्रमुखों और शिक्षकों की समग्र उन्नति के लिए राष्ट्रीय पहल— प्रशिक्षण पैकेज* में से खंड I के तीसरे माड्यूल, 'कला समेकित शिक्षा अनुभवात्मक अधिगम का एक शैक्षणिक तरीका', को शामिल किया गया है। इसे पढ़कर स्वयं में एवं अपने बच्चों में सृजनात्मक क्षमताओं के विकास का प्रयास करें।

© NCERT not to be republished

आशा है कि आपको यह अंक पसंद आएगा। आप पत्रिका के कवर 3 पर दिए पते पर अपने लेख, शोध पत्र आदि भेज सकते हैं। यदि आप अपने कोई सुझाव हमें भेजना चाहते हैं तो हम उनका भी स्वागत करते हैं। हम अपने आगे आने वाले अंकों में आपके उपयोगी सुझावों पर अमल करने का प्रयास करेंगे।

अकादमिक संपादक

© NCERT not to be republished